26.08.2021

गन्ने का उचित लाभकारी मूल्य पांच रुपये बढ़ा

कैबिनेट का फैसला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: आगामी एक अक्टूबर से शुरू होने वाले पेराई सीजन 2021-22 के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 290 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। यह मूल्य चालू पेराई सीजन के मुकाबले पांच रुपये प्रति ¯क्वटल अधिक है। गन्ने का यह एफआरपी 10 फीसद के रिकवरी दर पर आधारित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बुधवार को हुई बैठक में कृषि लागत व मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों पर आधारित मसौदे पर मंजूरी दी गई। गन्ने का यह मूल्य अक्तूबर 2021 से सितंबर 2022 के गन्ना वर्ष में लागू होगा। फैसले की जानकारी देते हुए केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य व पीडीएस मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार के इस फैसले से गन्ना किसानों के साथ चीनी उद्योग को जहां संभाला गया है, वहीं उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं बढ़ने दिया गया है। चीनी की न्यूनतम रिकवरी दर को 9.5-फीसद निश्चित कर दिया गया है। यानी इससे नीचे की चीनी रिकवरी पर भी गन्ने का मूल्य 275.50 रुपये प्रति ¯क्वटल ही रहेगा। चीनी की रिकवरी दर 10 फीसद से अधिक होने की दशा में प्रति प्वाइंट 2.90 रुपए प्रति क्विंटल गन्ने का दाम बढ़ाकर दिया जाएगा। चीनी के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि के प्रस्ताव पर विचार करने के सवाल पर गोयल ने फिलहाल मना कर दिया। बता दें कि उत्तर प्रदेश, पंजाब व हरियाणा में गन्ने के एफआरपी की जगह राज्य समर्थित मूल्य (एसएपी) घोषित किया जाता है। इससे उन राज्यों की चीनी मिलों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। गोयल ने बताया कि वर्ष 2020-21 में किसानों को जहां उनके गन्ने के कुल 91,000 करोड़ रुपए मिले वहीं आगामी पेराई सीजन में यह बढ़कर एक लाख करोड़ से अधिक हो जाएगा। सरकार के कदमों से अब तक 55 लाख टन चीनी का निर्यात हो चुका है। उन्होंने कहा कि अभी आठ फीसद एथनाल मिलाया जा रहा है, जो ढाई तीन सालों में 20 फीसद तक हो सकता है।

उप्र में वापस होंगे पराली जलाने के मुकदमे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: भाजपा किसान मोर्चा संगठन की टीमों को गांव-गांव दौड़ाकर किसानों के मन की बात जान चुकी योगी सरकार ने किसानों को खुश करने के लिए दिल खोल दिया। उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील किसानों के साथ हुई अहम बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल्द गन्ना मूल्य बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कर दीं। पराली का सिरदर्द कम करते हुए खास तौर पर पश्चिमी यूपी के किसानों को बड़ी राहत देते हुए योगी ने घोषणा की है कि पराली जलाने को लेकर हुए सभी मुकदमे वापस लिए जाएंगे।

'>>पेराई सीजन 2021-22 के लिए एफआरपी 290 रु. प्रति क्विंटल

'>>चीनी के एमएसपी में वृद्धि के प्रस्ताव पर फिलहाल विचार नहीं